INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department: Hindi (2nd Lang)	Date :08.04.26
प्रश्नोत्तर	Topic: पाठ 1 स्वदेश	Note: Pls. write in your Hindi note book

प्रश्न-अभ्यास –

अति लघु प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.कवि ने किस हृदय को पत्थर कहा है?
उत्तर:जिस हृदय में स्वदेश के प्रति प्रेम नहीं होता, कवि ने उस हृदय को पत्थर कहा है ।
प्रश्न 2.'स्वदेश' का अर्थ क्या है?
उत्तर:अपना देश अर्थात मातृभूमि ।
प्रश्न 3.कवि के अनुसार किसके पास कुछ सार नहीं होता?
उत्तर:जो स्वदेश से प्रेम नहीं करता उसके पास जीवन का कुछ सार नहीं होता ।
प्रश्न 4.स्वदेश कविता के कवि का नाम लिखिए।
उत्तर :स्वदेश कविता के कवि का नाम गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही' है।
प्रश्न 5.कवि ने किससे नव रत्न और खजाने प्राप्त होने की बात कही है ?
उत्तर : कवि ने स्वदेश से नव रत्न और खजाने प्राप्त होने की बात कही है 1
प्रश्न 6.कविता का मुख्य विषय क्या है ?
उत्तर : कविता का मुख्य विषय देशभक्ति और कर्त्तव्य है 1

लघु प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1 जीवन में जोश और साहस का क्या महत्त्व है?

उत्तर-जीवन में जोश और साहस का अत्यंत महत्त्व है। यही मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। इनके बिना व्यक्ति लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकता। जोश और साहस से ही आत्मविश्वास बढ़ता है और हमें सफलता मिलती है ।

प्रश्न 2 कवि के अनुसार संसार किसका नहीं होता?
उत्तर-कवि के अनुसार संसार उस व्यक्ति का नहीं होता जो समय के साथ नहीं चलता। जो प्रगति और परिवर्तन को स्वीकार नहीं करता, वह पीछे रह जाता है। ऐसे व्यक्ति को समाज में स्थान नहीं मिलता और वह जीवन में सफल नहीं हो पाता।

प्रश्न 3 कैसे व्यक्ति का उद्धार नहीं होगा?
उत्तर-उस व्यक्ति का उद्धार नहीं होता जो स्वार्थी होता है और अपने समाज, जाति तथा देश के हित में कार्य नहीं करता। जो दूसरों के कल्याण की भावना नहीं रखता, वह सच्चे अर्थों में जीवन का उद्देश्य प्राप्त नहीं कर पाता और उसका विकास अधूरा रह जाता है।

प्रश्न4 कवि ने किस प्रकार मातृभूमि की महिमा का वर्णन किया है?
उत्तर-कवि ने मातृभूमि को सर्वोपरि माना है। उनके अनुसार हम इसी भूमि में जन्म लेते हैं, यह हमारा पालन-पोषण करती है और अंत में हमें अपनी गोद में समा लेती है। इसलिए मातृभूमि के प्रति प्रेम, सम्मान और सेवा करना हमारा कर्तव्य है।

प्रश्न 5 'है काल-दीप जलता हरदम' से कवि का क्या तात्पर्य है?
उत्तर-कवि का तात्पर्य है कि समय सतत प्रवाहमान है। यह पल भर भी नहीं रुकता। हमारा जीवन-काल निश्चित है और एक दिन हमें भी खत्म हो जाना है। इसलिए समय रहते हमें अच्छे कार्य करने चाहिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1.कविता 'स्वदेश' में कवि ने स्वदेश प्रेम को सर्वोपरि क्यों माना है?
उत्तर: कवि ने 'स्वदेश' कविता में स्वदेश प्रेम को सर्वोपरि माना है क्योंकि यह एक सजीव और संवेदनशील हृदय की पहचान है। जो व्यक्ति अपने देश से प्रेम नहीं करता और उसके लिए कुछ नहीं करता, उसका जीवन निरर्थक है। देश की मिट्टी, संस्कृति और विरासत से जुड़ाव ही सच्चे देशभक्त की पहचान है।

प्रश्न 2.'स्वदेश' कविता देशभक्ति की भावना को कैसे जाग्रत करती है ?
उत्तर:यह कविता देश-प्रेम की सजीव प्रतिमा है । कवि ने हृदय में स्वदेश प्रेम की अनिवार्यता को स्थापित किया है। वे बताते हैं कि मातृभूमि के लिए बलिदान, उसकी मिट्टी का सम्मान, उसकी संस्कृति पर गर्व और अपने दायित्वों की पूर्ति ही सच्ची देशभक्ति है। कविता अपने देश के लिए सम्मान, साहस और समर्पण की भावना को जगाती है।

प्रश्न 3 .कविता में कवि ने स्वदेश प्रेम को किन गुणों से जोड़ा है? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
उत्तर :कवि ने स्वदेश प्रेम को जीवन का मूल उत्साह और प्रेरणा बताया है। उनके अनुसार, जिस व्यक्ति में स्वदेश प्रेम नहीं होता, वह न तो साहासिक कार्य कर पाता है, न ही समाज में उपयोगी भूमिका निभा पाता है। स्वदेश प्रेम व्यक्ति को त्याग, सेवा और एकता के मार्ग पर अग्रसर करता है। इस प्रकार, स्वदेश प्रेम जीवन को सार्थक बनाता है।

==========